हरिभूमि
# हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 27 जुलाई, 2025

**तापमान**

अधिकतम 37 .2 डिग्री
न्यूनतम 27 .4 डिग्री

11 इंडस आरपीएस पब्लिक स्कूल में मनाई गई हरियाली तीज

12 शांति नगर के प्राचीन मंदिर को तोड़ने का दिया नोटिस

## खबर संक्षेप

### मानसिक परेशानी के चलते फांसी लगाई

**हिसार।** नजदीकी गांव मंगाली मोहब्बत में एक युवक ने मानसिक परेशानी के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि लगभग 33 वर्षीय राजेश पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान रहता था। इसी के चलते उसने अपने घर में लगे पंखे से फांसी लगा ली। पुलिस ने उसके भाई के बयान पर इत्तफाकिया मौत की कार्रवाई की है।

### प्रवेश परीक्षा के चयनित पात्रों की सूची जारी

**हिसार।** सेना भर्ती कार्यालय हिसार के भर्ती निदेशक ने बताया कि सामान्य प्रवेश परीक्षा 2025-26 में भाग लेने वाले अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर तकनीकी, अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर ट्रेड्समैन और स्थायी श्रेणी सैनिक तकनीकी नर्सिंग सहायक / नर्सिंग सहायक (पशु चिकित्सा), सिपाही फार्मा, धार्मिक शिक्षक जूनियर कमीशन अधिकारी, जूनियर कमीशन अधिकारी (खानपान), हवलदार (सर्वेयर स्वचालित कार्टोग्राफर)-हवलदार (शिक्षा) श्रेणी के चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई है। उम्मीदवार अपना रिजल्ट वेबसाइट पर देख सकते है। चयनित उम्मीदवारों का एडमिट कार्ड पंजीकृत ईमेल आईडी में भेज दिया जाएगा। उम्मीदवारों से निवेदन है कि वह अपना पंजीकृत ईमेल आईडी चेक करते रहें।

### शहीद स्मारक पर वीरों के बलिदान को याद किया

**हिसार।** भारत-पाकिस्तान के बीच 1999 में हुए कारगिल युद्ध की जीत के उपलक्ष्य पर हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। इसी कडी में लघु सचिवालय के समीप शहीद स्मारक पर जिला प्रषासन एवं भूतपूर्व सैनिकों शनिवार कारगिल युद्ध में शहीद हुए सभी सैनिकों के बलिदान को याद किया गया। एसडीएम ज्योति मितल ने फूलमाला अर्पित कर वीरों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध बेहद कठिन था। इस युद्ध में भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय दिया था। यह हमारा कर्तव्य बनता है कि शहीदों के बलिदान को हम याद करें, उन्हें नमन करें।

### कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा होंगे मुख्य अतिथि

**हिसार।** जिले में 28 जुलाई, सोमवार को पारंपरिक उल्लास और उत्साह के साथ तीज महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम हरियाणा कृषि विष्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। तीज महोत्सव को पारंपरिक रीति-रिवाजों और पूरे उत्साह के साथ मनाने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी होगी।

### राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आवेदन 31 तक

**हिसार।** भारत सरकार ने देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नागरिकों, संस्थाओं और संगठनों को सम्मानित करने हेतु "सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार 2025" के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवेदन 31 जुलाई तक किए जा सकेंगे। यह पुरस्कार स्वतंत्र भारत के निर्माण में राज्यों के एकीकरण हेतु ऐतिहासिक योगदान देने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में स्थापित किया गया है। "सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार 2025" से संबंधित जानकारी देते हुए उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि यह पुरस्कार उन व्यक्तियों और संस्थानों को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामूहिकता को मजबूत करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हों। नामांकन के लिए देश का कोई भी नागरिक, संस्था अथवा संगठन पात्र है।

हिसार। परीक्षा समाप्त होने का इंतजार करते अभ्यर्थियों के परिजन व दूसरी शिफ्ट में परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थी।

हिसार। परीक्षा केंद्र में निरीक्षण करते डीसी अनीश यादव व एसपी शशांक कुमार सावन।

हिसार। प्रशासन द्वारा शटल बस सेवा का लाभ उठाते अभ्यर्थी। फोटो: हरिभूमि

# सीईटी : शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई पहले दिन की परीक्षा

# 31447 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 1929 रहे अनुपस्थित

- डीसी व एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, अभ्यर्थियों के लिए किए गए प्रबंधों व व्यवस्थाओं का जायजा लिया
- ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए दिनभर पुलिस व होमगार्ड के जवान दिखे एक्टिव

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिले में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की दो दिवसीय परीक्षा के पहले दिन शनिवार को दो शिफ्टों में शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न हुई।

पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से 11.45 बजे और दूसरी शिफ्ट 3.15 से 5 बजे तक चली। हिसार में सुबह के सत्र में कुल 16688 परीक्षार्थियों में से 15866 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 822 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार से सायं के सत्र में कुल 16688 परीक्षार्थियों में से 15581 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 1107 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उधर, परीक्षा को लेकर पुलिस व प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। गहन चेकिंग के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश केंद्र में प्रवेश करने दिया गया। परीक्षा सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हुई। डीसी अनीश यादव तथा एसपी शशांक कुमार सावन ने खुद परीक्षा केंद्रों को निरीक्षण किया और जायजा लिया। परीक्षा देने के बाद कुछ अभ्यर्थियों के चेहरों पर अच्छा पेपर होने की खुशी दिखाई दी तो वहीं कुछ अभ्यर्थियों के चेहरे पेपर उम्मीद के मुताबिक अच्छी नहीं होने से उदासी छाई हुई थी। अभ्यर्थियों के अनुसार सुबह के मुकाबले दूसरी शिफ्ट का पेपर आसान रहा।

पहली शिफ्ट के अभ्यर्थियों का कहना था कि पेपर न आसान था और न ही मुश्किल। पहली शिफ्ट में लाडो लक्ष्मी योजना के बजट से जुड़ा सवाल भी पूछा हुआ था। उधर, शहर में जाम की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस व होमगार्ड दिनभर डटे रहे।

हिसार। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए लगी पुरुष अभ्यर्थियों की लंबी लाइन।

हिसार। सीईटी परीक्षा के चलते बस स्टैंड के सामने वाहनों की लंबी लाइनें।

### पानीपत के जीएम ने संभाली शटल सर्विस की कमान

पानीपत से आए रोडवेज महाप्रबंधक कुलदीप जांगड़ा हिसार पुलिस लाइन एरिया में बनाई गए शटल सर्विस की कमान संभाले हुए थे। प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पुलिस लाइन एरिया में शटल सर्विस बनाई हुई थी। इस शटल सर्विस पर भिवानी और सिरसा जिले के परीक्षार्थियों को लेकर आने वाली रोडवेज व प्राइवेट बसों की पार्किंग की हुई थी। प्रशासन द्वारा बनाए गए शटल रूटों से विद्यार्थियों को स्कूली बसों के माध्यम से उनके परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाया गया।

### अभ्यर्थियों ने प्रशासन को सराहा

अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्रों तक निर्धारित समय पर पहुंचाने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्रशासन हिसार की ओर से परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए बेहतरीन इंतजाम किए हैं, जिससे परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में सुविधा हुई है और वे बिना किसी विलंब के परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में सफल हुए। जिला प्रशासन द्वारा सीईटी परीक्षा के दिव्यांग परीक्षार्थियों को घर से परीक्षा केंद्र तक लाने और वापस घर छोड़ने के लिए विषेष वाहनों की व्यवस्था की गई थी। वाहनों की व्यवस्था से दिव्यांग परीक्षार्थियों ने सहुलियत से परीक्षा दी।

### बच्चों को संभाल रहे थे पिता

सीईटी परीक्षा देने आई कई महिलाओं के साथ छोटे बच्चे भी थे। जब महिला अभ्यर्थी परीक्षा देने सेंटर के अंदर गई तो पिता बच्चों को संभाल रहे थे।गर्मी और उमस के चलते परीक्षार्थियों के साथ आए परिजन सेंटर के बाहर बेहाल दिखे। गर्मी से राहत पाने के लिए परिजन इधर-उधर भटक रहे थे। कई सामाजिक संगठनों ने परीक्षा केंद्रों के बाहर जलसेवा का भी प्रबंध किया हुआ था।

### महिला अभ्यर्थियों की उतरवाई चूड़ियां, पायल व धागे

सीईटी परीक्षा में नकल रोकने के लिए अभ्यर्थियों को गहन चेकिंग की गई। परीक्षा केंद्र पर तैना स्टाफ ने जूते उतरवाकर चेकिंग की गई। परीक्षा केंद्रों के बाहर महिलाए अभ्यर्थी चूड़ियां, कड़े, पायल, कान की बालियां, घड़ी व धागे उतारती दिखाई दी। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस चौकस नजर आई। परीक्षा के दौरान केंद्रों के बाहर किसी भी व्यक्ति को खड़ा नहीं होने दिया। इस दौरान पुलिस कर्मी अभ्यर्थियों के साथ आए परिजनों को गर्मी और उसम से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों को पता बताते देखे गए।

### अलसुबह 4 बजे से शुरू हुई बस सेवाएं

शनिवार अलसुबह जिले के हिसार, हांसी, बरवाला, अग्रोहा, आदमपुर, उकलाना, बालसमंद, खांडाखेड़ी, नारनौंद आदि प्रमुख बस अड्डों पर परीक्षार्थी पहुंचना शुरू हो गए थे। परीक्षा के लिए भिवानी, जींद आदि जिलों के लिए सुबह लगभग 4 बजे से बस सेवाएं आरंभ कर दी गई। इसी प्रकार से हिसार के 45 स्थानों के 67 परीक्षा केंद्रों पर सिरसा, भिवानी जिलों से आए परीक्षार्थियों के लिए 150 शटल बसों की सेवा 16 रूटों पर संचालित की गई। सुबह 6 बजे से परीक्षार्थियों के लिए शटल बसों की सेवा आरंभ कर दी गई थी, जो सांय लगभग 7 बजे तक अंतिम परीक्षार्थी की वापसी तक संचालित की गई। डीसी अनीश यांदव व एसपी शशांक कुमार सावन ने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया और अभ्यर्थियों के लिए किए गए प्रबंधों व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से शनिवार को दोनों सत्रों में पूरी पारदर्शिता के साथ शांतिप्रिय माहौल में परीक्षा का आयोजन हुआ, उसी प्रकार से रविवार को होने वाली सीईटी के दूसरे दिन की परीक्षा के लिए भी प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान कराई गई है। परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने से लेकर परीक्षार्थियों की अन्य सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया।

### जूस विक्रेता ने संभाले फ्री में बैग

दिल्ली बाइपास स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय के बाहर एक जूस विक्रेता ने बिना किसी शुल्क के अभ्यर्थियों के बैगों की देखभाल का जिम्मा उठाया हुआ था। उसका कहना था कि वह भी परीक्षा के इस उत्सव में अपना सहयोग देना चाहता है। कुछ परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों के बैग व अन्य सामान संभालने की एवज में शुल्क ले रहे थे।

## सिख युवक को कड़ा पहने सीईटी की परीक्षा में जाने से रोका

- गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के पूर्व प्रधान स. सरदार के विरोध के बाद युवक को परीक्षा के लिए जाने दिया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

एक अमृतधारी सिख युवक मिलनवीर सिंह को हरियाणा सीईटी की परीक्षा में कड़ा पहनकर जाने पर पुलिस कर्मियों द्वारा उसे गेट पर ही रोक दिया गया। हिसार के सेक्टर 16-17 स्मॉल वंडर स्कूल में युवक की सीईटी की परीक्षा थी।

बाहर तैनात पुलिस कर्मियों ने युवक को कृपाण ले जाने की अनुमति तो दे दी लेकिन कड़े सहित परीक्षा में जाने से मना कर दिया। इस पर युवक ने गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के पूर्व प्रधान एवं हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेट के पूर्व सदस्य सरदार सुखसागर सिंह के पास फोन किया। सरदार सुखसागर सिंह यह सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे और मौके पर तैनात पुलिस कर्मियो से कहा कि कहा कि सिख कैंडिटेट अपने पांच चिन्हों के साथ परीक्षा दे सकता है जिसमें कड़ा भी शामिल है। उन्होंने 112 पर कॉल की जिस पर पुलिस वहां पहुंची तो सुखसागर ने उन्हें कड़ा पहनकर परीक्षा में बैठने की कानूनी तौर पर हक बताया।

### लिखकर देने से मना किया

पुलिस कर्मियों ने स. सुखसागर की बात नहीं मानी तो उन्होंने कहा कि वे लिखित में यह बात लिखकर दें क्योंकि युवक के भविष्य का सवाल है और यदि परीक्षा में देरी होती है तो उसके भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग जाएगा। पुलिस कर्मियों ने लिखकर देने से भी मना कर दिया। इसी दौरान पुलिस कर्मियों ने किसी उच्च अधिकारी से बात की और स. सुखसागर से उनकी बात करवाई इस पर युवक को कड़ा व कृपाण सहित परीक्षा में जाने की अनुमति दे दी गई।

हिसार। सीईटी परीक्षा के चलते अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर छोड़ने के लिए नई पुलिस लाइन में खड़ी बसें। फोटो: हरिभूमि

# नौकरी लगवाने के नाम पर 18 लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

शहर थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर नौकरी लगवाने के नाम पर 18 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान करनाल जिले के गांव गंगा टेहरी निवासी राममेहर उर्फ अनुप यादव के रूप में हुई है।

- पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत से 5 दिन के रिमांड पर लिया

आरोपी को अदालत में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। शहर थाना में तैनात एसआई दलबीर ने बताया कि आरोपी ने वर्ष 2024 में रामसिंह कालोनी निवासी चरणजीत को फर्जी दस्तावेज तैयार कर पंजाब नेशनल बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 18 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। लेकिन नौकरी नहीं लगवाने के बाद जब चरणजीत ने रुपए वापस मांगे तो वह आनाकानी करने लगा और रुपए मांगने पर जान से मारने की थमकी देने लगा। जिसके बाद चरणजीत सिंह ने शहर थाना में राममेहर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी।

हांसी। नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में। फोटो: हरिभूमि

# सीलिंग प्लान में 39 वाहनों के किए चालान

- पुलिस ने 21 स्थानों पर नाके लगाकर वाहनों की जांच की

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

पुलिस द्वारा शुक्रवार शाम 7 से रात 10 बजे तक सीलिंग प्लान के तहत 21 स्थानों पर नाकाबंदी करके वाहनों की जांच की गई।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने स्वयं नाकों का दौरा कर वहां तैनात पुलिस कर्मियों को हर संदिग्ध वाहन की बारीकी से जांच करने तथा किसी प्रकार की कोई कमी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दास्त नहीं कि जायेगी। उन्होंने कहा कि सीलिंग प्लान किसी भी आपात स्थिति से निपटने व अपराध को अंजाम देकर भागने वाले अपराधियों को पकड़ने व अपराधों की रोकथाम हेतु तुरंत कार्रवाई के लिए जिला पुलिस द्वारा किया जाता है। सीलिंग प्लान के दौरान नाकाबंदी करके 758 वाहनों की जांच की गई तथा 5 वाहन चालकों के ड्रिंक एंड ड्राइव सहित यातायात के नियमों के उल्लंघन करने वाले कुल 39 वाहनों के चालान किए गए।

हांसी। सीलिंग प्लान के दौरान डीएसपी रविन्द्र सांगवान की मौजूदगी में वाहनों की जांच करते पुलिस अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

### नागरिकों को सुरक्षा

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया कि सीलिंग प्लान का उद्देश्य जिला के आम नागरिकों को सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम व किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चलाया गया है। सीलिंग प्लान के अन्तर्गत सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, प्रबंधक थाना, पुलिस चौकी व अपराध यूनिट्स के इंचार्जों को निर्देश दिए हैं कि वह भविष्य में सूचना मिलते ही अपने-अपने क्षेत्र में तुरंत प्रभाव से कार्यवाही करते हुए सीलिंग प्लान के अनुसार कार्य करें। जिससे अपराधों की रोकथाम के साथ साथ अपराधियों को गिरफ्तार कर किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

## जिला स्तर पर शटल मास्टर बैडमिंटन एकेडमी के खिलाड़ियों ने जीते 34 पदक

**हिसार।** विद्युत नगर में जिला स्तर पर आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में शटल मास्टर बैडमिंटन एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 34 मैडल जीतकर अपना व एकेडमी का नाम रोशन किया है। कोच साहिल थरेजा ने बताया कि एकेडमी के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए 9 स्वर्ण पदक, 7 रजत पदक व 18 कांस्य पदक जीतने में कामयाबी पाई। विजेता खिलाड़ियों में से 16 खिलाड़ियों का राज्य बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिये चयन किया गया है। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

**मंगाली चौकी में पुलिस हिरासत में व्यक्ति की मौत का मामला**

# डीएसपी पर मृतक के बेटे को थप्पड़ मारने का आरोप

- पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत, कार्रवाई न होने पर चौकी के बाहर धरना दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

पिछले मंगलवार की रात को मंगाली चौकी में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले की जांच के दौरान मृतक व्यक्ति के पुत्र ने हिसार के डीएसपी कमलजीत पर उसके घर में घुसकर उसको थप्पड़ मारने और मोबाइल फोन छीनने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी है। पुलिस ने इस मामले में अभी तक कार्रवाई नहीं की है जिसके विरोध में ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के साथ मंगाली चौकी के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरना उठाने के लिए पुलिस ने टेंट उखाड़ दिया लेकिन ग्रमीण धूप में ही धरने पर बैठे रहे। पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में मृतक व्यक्ति के पुत्र अमित ने बताया कि उसके पिता संजय की मृत्यु 23 जुलाई को पुलिस हिरासत में हुई थी। इसके बाद मामले की जांच की गई और उसके व उसकी मां व अन्य के बयान दर्ज करके शव का पोस्टमार्टम करवा दिया और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। 25 जुलाई की शाम करीब 4 बजे पुलिस व फोरेंसिक साइंस की टीम उसके घर आई। पुलिस ने उसकी मां के बयान दर्ज किए व बहन को घर से बाहर बुलाकर बिना किसी महिला पुलिस की उपस्थिति में पूछताछ की।

हिसार। मंगाली गांव की पुलिस चौकी के सामने धरने पर बैठे ग्रामीण।

### पुलिस ने जबरन टेंट उखाड़े

उन्होंने आरोप लगाया कि धरने पर लगाए गए टेंड को पुलिसकर्मचारियों ने जबर्दस्ती उखाड़ दिया जिसके कारण उनको धूप में ही धरने पर बैठना पड़ा। उन्होंने कहा एससीएसटी एक्ट के तहत दी गई शिकायत में तुरंत एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान है, जांच का कोई प्रावधान नहीं है। धरने पर गांव मंगाली झारा के सरपंच जोगेंद्र, मंगाली अकलान के सरपंच राजेश, पूर्व सरपंच सतबीर, मंगाली रविदास सभा के पूर्व प्रधान संजय, विरेंद्र, रोहताश, विनोद, अमित, मनोज टांक आदि भी मौजूद थे।

# पांच साल में पैसों को डबल, ट्रिपल करने वाले सात फंड, निवेशकों को बड़ा फायदा

- हाइब्रिड कैटेगरी की स्कीम्स ने इक्विटी को दी कड़ी टक्कर
- बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स ने 5 साल में दिया बढ़िया रिटर्न
- निवेशकों के पैसों को दो से तीन गुना तक कर दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स से हाई रिटर्न हासिल करने की बात हो तो आम तौर पर हमारा ध्यान इक्विटी स्कीम की तरफ ही जाता है, लेकिन हाइब्रिड फंड्स की एक कैटेगरी ऐसी है, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देने के मामले में इक्विटी फंड्स को टक्कर दे सकती है। ये कैटेगरी है डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स यानी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स की। इस कैटेगरी के टॉप 7 फंड्स ने 5 साल में निवेशकों के पैसों को डबल-ट्रिपल करके दिखाया है। साथ ही सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी इनका सालाना रिटर्न काफी आकर्षक रहा है। इन टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया, आईसीआईसीआई प्रू, टाटा म्यूचुअल फंड, बड़ौदा बीएनपी परीबा और आदित्य बिरला सनलाइफ जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं।

### ऐसा रहा प्रदर्शन

टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स का पिछले 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 15% से 24% तक रहा है. इन सभी फंड्स ने 5 साल पहले किए गए 1 लाख रुपये के निवेश को दो लाख से तीन लाख रुपये में तब्दील कर दिया है. इतना ही नहीं, इन सभी फंड्स ने **SIP** के जरिये किए गए निवेश पर भी साल दर साल 13% से लेकर 21% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है. आइए डालते हैं इन सभी फंड्स के पिछले प्रदर्शन पर एक नजर।

1. एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 24.62%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 3 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 10.12 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 21.02%)

2. बड़ौदा बीएनपी परीबा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 17.03%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.20 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.89 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 15.74 %)

3. एडेलवाइज बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.92%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.09 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.44 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.6%)

4. आदित्य बिरला सनलाइफ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.71%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.08 लाख
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.60 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.4%)

### 5 साल में 15 से 24% तक एनुअल रिटर्न दिया

5. निप्पॉन इंडिया बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.67%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.07 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.02%)

6. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.52%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.06 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.99%)

7. टाटा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 14.99%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.01 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.32 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.03%)

### बेंचमार्क और रिस्क लेवल

इन सभी हाइब्रिड फंड्स का बेंचमार्क इंडेक्स इन दो में से कोई एक है - निफ्टी 50 हाइब्रिड कंपोजिट डेट 50:50 इंडेक्स, जिसका पिछले 5 साल का सीएजीआर 12.70% रहा है या क्रिसिल हाइब्रिड 50+50 मॉडरेट इंडेक्स, जिसका 5 साल का सीएजीआर 13.62% है। सभी 7 फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग दी गई है।

### बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की निवेश रणनीति

पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट के बीच फंड एलोकेशन को वक्त के हिसाब से बदलने की रणनीति बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड (**Balanced Advantage Fund or Dynamic Assest Allocation**) की सबसे बड़ी खूबी है. इस रणनीति की बदौलत ये म्यूचुअल फंड बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच भी बेहतर और स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं. सेबी के नियमों के तहत इन फंड्स के मैनेजर को इक्विटी और डेट के बीच अपना फंड एलोकेशन जीरो से 100% तक बदलते रहने की छूट मिली हुई है। इस रणनीति का एक फायदा यह भी है कि अगर फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश को 65% या उससे ऊपर रखता है, तो इसमें निवेश पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स बेनिफिट भी मिल सकते हैं। हालांकि इक्विटी में ज्यादा एक्सपोजर की संभावना के कारण बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में रिस्क भी अधिक रहता है. इसलिए इनमें निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क बर्दाश्त करने की क्षमता को परख लेना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि के लिए पैसे लगाने की तैयारी रखनी चाहिए. साथ ही यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती।

*(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सलाह देना नहीं, निवेश का कोई भी फैसला अपने इनवेस्टमेंट एडवाइजर की सलाह लेने के बाद ही करें।)*

# जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, जल्द बनेंगे करोड़पति

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, इससे बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें, अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं
- हर साल अपने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान को भी अपग्रेड करें
- अपनी कमाई का कम से कम दस फीसदी हिस्सा बचत में लगाएं

अगर आप भी निवेश के जरिये अच्छा पैसा जुटाना चाहते हैं तो अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं। इससे आपको जल्द करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। आप अपने सपने आसानी से पूरे कर पाएंगे। इसके लिए जरूरी है, अपने लक्ष्य तय करें और लंबी अवधि के लिए निवेश का प्लान बनाए। अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं यानी निवेश के लिए स्टेप-अप एसआईपी के फार्मूले को अपनाएं। अपने अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं और अपनी इनकम का कम से कम दस फीसदी निवेश जरूर करें और इसे हर साल बढ़ाते जाएं। फिर देखना आपका पैसा दिन दूनी और रात चौगुनी के साथ बढ़ेगा। नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

### स्टेप-अप एसआईपी क्या है

- स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं। इसलिए स्टेप-अप एसआईपी जरूरी : बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल
- जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

### महंगाई को मात

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी जरूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेजी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

### स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- इस तरह धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

### असरदार तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी जिंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और जरूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

### बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के ज़रिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्ज़री कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

### चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत कहते हैं।

# आईटीआर फाइलिंग : कुछ गलतियों की वजह से आ सकता है नोटिस

●जुर्माना भी लग सकता है और रिटर्न रिजेक्ट होने का भी रहता है खतरा ● टैक्सपेयर्स अक्सर आईटीआर फॉर्म चुनने में कर जाते हैं बड़ी गलतियां ● वेरिफिकेशन में गलती करते हैं, तो बढ़ सकती है आपकी परेशानी

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना हर साल टैक्सपेयर्स के लिए एक जरूरी काम होता है, लेकिन कई बार इसमें छोटी-छोटी गलतियां उनके लिए भारी पड़ जाती हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (असेसमेंट ईयर 2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर 2025 तक है। इस बीच इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर-1, 2, 3 और 4 के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी कर दी हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, जल्दबाजी या जानकारी की कमी के कारण कई बार टैक्सपेयर्स ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो नोटिस, जुर्माना या रिटर्न के रद्द होने का कारण बन सकती हैं। आइए जानते हैं, सात ऐसी आम गलतियों के बारे में, जिनसे टैक्सपेयर्स को बचना चाहिए।

### गलत आईटीआर फॉर्म चुनना

सबसे आम गलती है गलत आईटीआर फॉर्म का चयन। हर फॉर्म खास तरह की आय और टैक्सपेयर्स के लिए बनाया गया है। मिसाल के तौर पर, अगर आपने शेयरों की बिक्री से 1.25 लाख रुपये से ज्यादा का लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन कमाया है या आपके पास किसी विदेशी बैंक में अकाउंट है, तो आप आईटीआर-1 की जगह आईटीआर-2 भरना होगा। गलत फॉर्म चुनने से आपकी रिटर्न 'डिफेक्टिव' मानी जा सकती है या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है। इसलिए, अपनी आय के सोर्स को ध्यान से देखें और सही फॉर्म चुनें।

### सभी आय के सोर्स न बताना

कई टैक्सपेयर्स अपनी सारी आय को रिटर्न में नहीं दिखाते, चाहे वह टैक्सेबल हो या नहीं। मसलन, बचत खाते का ब्याज, फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज, किराए की आय या शेयरों से डिविडेंड को छिपाना गलत है। भले ही बचत खाते के ब्याज पर 10,000 रुपये तक की छूट मिलती हो, लेकिन इसे रिटर्न में दिखाना जरूरी है। आय छिपाने से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नजर में आप गलत ठहर सकते हैं, जिससे नोटिस या जुर्माना लग सकता है।

### नौकरी बदलने पर आय छिपाना

अगर आपने वित्त वर्ष में नौकरी बदली है, तो दोनों एम्प्लॉयर्स से मिली आय को रिटर्न में दिखाना जरूरी है। दोनों की फॉर्म-16 को ध्यान से देखें और सुनिश्चित करें कि कोई आय छूट न जाए। कई बार टैक्सपेयर्स पुराने एम्प्लॉयर की आय या टीडीएस की जानकारी छोड़ देते हैं, जो गलत है। एआईएस में आपकी सारी आय की जानकारी होती है, इसलिए इसे छिपाने की कोशिश न करें, वरना नोटिस का सामना करना पड़ सकता है।

### फॉर्म 26एएस की जांच न करना

रिटर्न फाइल करने से पहले फॉर्म 26 एएस और एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) की जांच करना जरूरी है। ये डॉक्यूमेंट्स आपकी आय, टीडीएस और बड़े लेनदेन की जानकारी देते हैं। अगर इनमें कोई गलती है, जैसे बैंक द्वारा काटा गया टीडीएस गलत दिख रहा हो, तो उसे ठीक करवाएं। इन डॉक्यूमेंट्स का मिलान फॉर्म-16, बैंक स्टेटमेंट और अन्य रिकॉर्ड से करें। अगर जानकारी में अंतर हुआ, तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है।

### गलत डिडक्शन का दावा करना

कई टैक्सपेयर्स बिना सबूत के सेक्शन 80सी, 80डी या अन्य छूट का दावा कर लेते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की स्कूल फीस, एलआईसी प्रीमियम या मेडिकल इंश्योरेंस के लिए छूट तभी ले सकते हैं, जब आपके पास वैध डॉक्यूमेंट हों। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अब एआईएस और एआई टूल्स के जरिए ऐसी गलतियों को आसानी से पकड़ लेता है। अगर आप बिना सबूत के छूट लेते हैं, तो नोटिस मिल सकता है या रिटर्न रद्द हो सकता है।

### विदेशी संपत्ति की जानकारी न देना

अगर आपके पास विदेशी बैंक खाता, शेयर या दूसरी संपत्ति है, तो उसे रिटर्न में बताना जरूरी है। बजट 2024 में नियमों में थोड़ी ढील दी गई है, जिसमें 20 लाख रुपये तक की चल संपत्ति को न दिखाने की छूट दी गई है। लेकिन इसके बावजूद, पूरी जानकारी देना अनिवार्य है। विदेशी संपत्ति छिपाने पर पहले 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगता था, लेकिन नए नियमों के बावजूद सावधानी बरतें।

### रिटर्न का वेरिफाई न करना

रिटर्न फाइल करने के बाद उसे 30 दिनों के अंदर वेरिफाई करना जरूरी है। यह सत्यापन आधार ओटीपी , नेट बैंकिंग या आईटीआर वी को डाक से भेजकर किया जा सकता है। अगर आप वेरिफाई नहीं करते, तो रिटर्न को अमान्य माना जाता है, जैसे कि आपने रिटर्न फाइल ही नहीं किया। कई टैक्सपेयर्स यह भूल जाते हैं, जिससे उनकी रिटर्न प्रक्रिया अधूरी रह जाती है और जुर्माना लग सकता है।

ऋण | एमएफ लोन पर ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन से अधिक, लोन लेने का फैसला करने से पहले सभी विकल्पों पर विचार करें

*अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले, इससे आपकी एसआईपी चलती रहेगी*

# म्यूचुअल फंड पर भी ले सकते हैं लोन, लेकिन जान लें कुछ बातें क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में एमएफ पर लोन सस्ता

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेन जा रहे हैं और म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश करते हैं जो आपके लिए म्यूचुअल फंड पर लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। चूंकि म्यूचुअल फंड पर लोन क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता होता है। हालांकि इसकी ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन लेने की तुलना में अधिक हो सकती हैं। फिर भी लोन लेने से पहले सभी विकल्पों पर विचार कर लिया जाना चाहिए। इससे आप आसानी से और सस्ती ब्याज दरों पर लोन ले सकेंगे। जीवन में कई कारणों से कभी-कभी अस्थायी रूप से पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यह घर के नवीनीकरण, परिवार में शादी या किसी चिकित्सा आपात स्थिति के कारण हो सकता है। ऐसी नकदी की तंगी की स्थिति में, सबसे पहला विचार यही आता है कि अपनी बचत का इस्तेमाल करें और नुकसान होने पर भी अपने निवेश को बेच दें। और अगर इससे भी काम न चले, तो आप ऋण लेने की सोचते हैं। हालांकि, निवेश को बेचना सबसे अच्छा उपाय नहीं है। अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले सकते हैं। जी हां, जैसे आप लोन के लिए सोना और रियल एस्टेट जैसी अन्य संपत्तियां गिरवी रख सकते हैं, वैसे ही आप बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से अपने म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन ले सकते हैं। एमएफ पर लोन लेने से पहले आप 6 प्रमुख बातों के बारे में जान लें। ये आपके काफी काम आएंगी।

### म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स की एक सीमा तक ही ऋण मिलेगा

आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स के बदले आपको मिलने वाले ऋण की राशि काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि आपने किस प्रकार की म्यूचुअल फंड योजना में निवेश किया है और आप किस वित्तीय संस्थान से ऋण लेंगे। उदाहरण के लिए, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बैंक आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) के 50% तक और डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 80% तक का लोन देते हैं। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक आपकी डेट म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 85% तक और इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 60% तक का लोन प्रदान करता है।

### सभी बैंक सभी म्यूचुअल फंडों पर ऋण नहीं देते

कई बैंक केवल उनके द्वारा चयनित म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर ही ऋण देते हैं। उदाहरण के लिए, एसबीआई केवल एसबीआई म्यूचुअल फंड की म्यूचुअल स्कीमों पर ही ऋण देता है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक भी उन स्कीमों के बारे में चयनात्मक हैं जिन पर वे ऋण देते हैं। ये दोनों निजी बैंक कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (सीएमएस) के साथ पंजीकृत एसेट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा प्रबंधित म्यूचुअल फंड स्कीमों पर ऋण प्रदान करते हैं। इसी प्रकार, एक्सिस बैंक ने अपनी वेबसाइट पर म्यूचुअल फंड योजनाओं का एक सेट सूचीबद्ध किया है, जिसके आधार पर वह धन उधार देता है।

### मिलने वाला ऋण राशि की ऊपरी सीमा

किसी भी प्रकार के ऋण की तरह, म्यूचुअल फंड पर दिए जाने वाले ऋणों की भी कुछ सीमाएं होती हैं। कई बैंकों ने आपको मिलने वाले ऋण की अधिकतम और न्यूनतम सीमा तय कर रखी है। उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई बैंक जैसे अधिकांश बड़े निजी बैंकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में न्यूनतम ऋण राशि 50,000 रुपये और अधिकतम राशि 20 लाख रुपये तथा डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 1 करोड़ रुपये तक निर्धारित की है। एनबीएफसी के मामले में, न्यूनतम और अधिकतम दोनों सीमाएं आमतौर पर ज़्यादा होती हैं। उदाहरण के लिए, आदित्य बिड़ला फाइनेंस में न्यूनतम ऋण राशि 25 लाख रुपये और अधिकतम 10 करोड़ रुपये है। बजाज फिनसर्व के मामले में भी यही स्थिति है।

### ऋण की लागत व्यक्तिगत ऋण व क्रेडिट कार्ड ऋण से कम

म्यूचुअल फंड पर लोन का एक प्रमुख लाभ यह है कि आपको क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन की तुलना में कम ब्याज दर मिलती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि म्यूचुअल फंड पर लोन सुरक्षित होते हैं, यानी उनके पीछे कोई संपार्श्विक होता है। उदाहरण के लिए, आपको म्यूचुअल फंड पर लिए गए लोन पर 8-10% की ब्याज दर चुकानी होगी। यह आपके द्वारा चुनी गई बैंक और म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर अलग-अलग होगा। अगर आप डेट फंड योजनाओं की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर कम होती है, और अगर आप इक्विटी फंड की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर ज़्यादा होती है।
दूसरी ओर, क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन जैसे असुरक्षित लोन के मामले में, लोन आपकी किसी भी वित्तीय संपत्ति द्वारा समर्थित नहीं होता है। इसलिए, बैंक द्वारा उठाए जा रहे उच्च जोखिम के अनुरूप, आपसे 8-10% से अधिक ब्याज दर वसूलने की संभावना होती है।

### गिरवी रखी गई एमएफ यूनिटों पर रिटर्न मिलता रहेगा

जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर उन पर लोन लेते हैं, तो वे यूनिट्स बाजार में निवेशित रहती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स किसी बैंक में गिरवी रखते हैं, तो आप बैंक को यह अधिकार देते हैं कि वह म्यूचुअल फंड यूनिट्स को तभी बेचे जब आप डिफॉल्ट करें। लेकिन जब तक आप डिफॉल्ट नहीं करते, तब तक आपके निवेश बाजार से जुड़े रहते हैं और आप उन पर रिटर्न कमाते रहते हैं। इस प्रकार, आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी वित्तीय योजना अभी भी बरकरार है और साथ ही आप किसी भी यूनिट को भुनाए बिना अल्प सूचना पर आवश्यक पूंजी जुटा सकते हैं।

### ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

तकनीक की बदौलत, एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे कई बैंक अब आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर ऑनलाइन लोन दे रहे हैं। आपको बस अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स ऑनलाइन गिरवी रखनी हैं और अपने खाते में ओवरड्राफ्ट लिमिट सेट करवानी है। ओवरड्राफ्ट सुविधा का मतलब है आपके बैंक के साथ एक क्रेडिट समझौता जिसके तहत आप अपने खाते में जमा राशि से ज़्यादा पैसे निकाल सकते हैं। इसकी एक पूर्व-स्वीकृत सीमा होती है।

## इंडस आरपीएस पब्लिक स्कूल में मनाई गई हरियाली तीज

# प्रत्येक बच्चे को अपने जीवन में कुछ नया और श्रेष्ठ करने का प्रयास करना चाहिए : डॉ. सिंधु

कार्यक्रम में सेल्फी पॉइंट पर प्रधानाचार्या ने बच्चों को मेहंदी लगाकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस दौरान बच्चों की माताएं रंग बिरंगे परिधानों में शामिल हुई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

इंडस आरपीएस पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को हरियाली तीज मनाई गई। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों की माताओं ने भाग लिया। आयोजन के दौरान बच्चों की माताओं ने सावन आयो रे... जैसे गीतों पर बेहतर प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में सेल्फी पॉइंट पर प्रधानाचार्या ने बच्चों को मेहंदी लगाकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस दौरान बच्चों की माताएं रंग बिरंगे परिधानों में शामिल हुई। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की जानकारी मिलती है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जिस प्रकार पींग हमें ऊंचाइयों की ओर ले जाती है, उसी प्रकार हमें जीवन रूपी पींग पर विद्या रूपी फूलों के साथ झूलते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। प्रत्येक बच्चे को अपने जीवन में कुछ नया और श्रेष्ठ करने का प्रयास करना चाहिए।

***हमारे हृदय में त्योहारों के प्रति आस्था होनी चाहिए:*** प्रधानाचार्या नीलम राठी ने विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अभिभावकों को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी तथा इस सुंदर आयोजन के लिए सभी को बधाई दी और उन्होंने कहा कि हमारे हृदय में त्योहारों के प्रति आस्था होनी चाहिए व इन्हें पारंपरिक तरीके से सौहार्दभाव से मनाना चाहिए। इस अवसर पर तनीषा, उषा, संगीता, उपासना, रेनू, रवीना रिशु आदि शिक्षिकाएं मौजूद थी।





हिसार। सम्मानित करती प्रधानाचार्या नीलम राठी व हरियाली तीज प्रस्तुति देती महिला। फोटो : हरिभूमि



सिवानी मंडी। मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता में हिस्सा लेती प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

## एमडीएस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

**सिवानी मंडी।** शहर के एमडीएस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तीज पर्व के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया है। इस प्रतियोगिता के लिए कुल 75 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभागी दिखाई। प्रतियोगिता में 11वीं कक्षा वाणिज्य संकाय की प्रथम शिवांगी ने प्रथम, 12वीं कक्षा विज्ञान संकाय से मल्लिका ने द्वितीय तथा 11वी वाणिज्य संकाय से गुनशिखा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

सिवानी मंडी। पतंग बनाओ प्रतियोगिता में हिस्सा लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

## शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल स्कूल में मनाया तीज महोत्सव

**सिवानी मंडी।** खंड के गांव गैंडावास के शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल स्कूल में तीज महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर अनेक प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कक्षा नर्सरी से यूकेजी तक परंपरागत परिधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सभी विद्यार्थी अलग-अलग रंग बिरंगे परिधानों में नज़र आए और सभी बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा पहली और दूसरी का पतंग बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सन्नी कक्षा पहली आर्मी ने प्रथम स्थान, हितांशी कक्षा दूसरी आर्मी ने द्वितीय, रिया कक्षा पहली नेवी और परी कक्षा दूसरी आर्मी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ कक्षा तीसरी से पांचवी की लड़कियों के लिए ट्रेडिशनल ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें तीसरी कक्षा की आरवी ने प्रथम, चौथी की कंचन ने द्वितीय और पांचवीं की जिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीसरी से पांचवी के छात्रों के लिए शिवलिंग बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रियांशु चौथी आर्मी ने प्रथम, भावित पांचवी आर्मी ने द्वितीय और युवराज चौथी आर्मी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा छठी से दसवी की छात्राओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दसवीं की रेखा ने प्रथम, गुंजन ने द्वितीय और जया ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए विद्यालय निदेशक सुरेश गेट ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को तीज पर्व की शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

आदमपुर। गांव सदलपुर पीपासर स्कूल में तीज उत्सव में हिस्सा लेते बच्चे व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

## पीपासर स्कूल में मनाया तीज महोत्सव

**आदमपुर।** गांव सदलपुर स्थित श्री पीपासर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तीज का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। विद्यालय के निदेशक सुभाष गोदारा व सुमन गोदारा व प्रधानाचार्या ललिता शर्मा ने कार्यक्रम मे शिरकत की। सुभाष गोदारा ने कहा कि त्योहार हमारे जीवन में नया जोश व उमग जगाते है। सभी अध्यापक व बच्चों ने बड़े जोश से इसमें भाग लिया नर्सरी से दूसरी कक्षा तक ग्रीन डे मनाया गया, बच्चों को हरे रंग का महत्व बताया गया। सभी बच्चे हरे रंग की ड्रेस पहन कर आए थे। सभी बच्चे अपने लंच बॉक्स में हरी सब्जियां व हरे फ्रूट लेकर आए।

## आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में तीज पर्व की रही धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में शनिवार को तीज उत्सव बड़े हर्षोल्लास और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिनमें विभिन्न प्रकार की सुंदर झांकियां, तीज से संबंधित गीत एवं पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

- **बच्चों ने तीज उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बांधा समां**

तीज महोत्सव में विद्यालय के अध्यापकों व अध्यापिकाओं ने भी अपनी भागीदारी निभाते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। स्कूल प्राचार्य नितीश मिश्र ने तीज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भगवान शिव और माता पार्वती की कथा को विस्तारपूर्वक बताया, जिससे बच्चों को इस पर्व की सांस्कृतिक और धार्मिक गहराई को समझने का अवसर मिला।

वहीं विद्यालय प्रांगण में कारगिल विजय दिवस भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्राचार्य नितीश मिश्र ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी वीरगाथा बच्चों को सुनाई और देश के शहीदों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में विद्यालय प्राथमिक प्रभारी प्रोमिला यादव सहित सभी शिक्षक व स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

हांसी। तीज महोत्सव पर झूला झूलती बच्चे। फोटो : हरिभूमि

हांसी। फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ एएसआई दीपक कुमार। फोटो : हरिभूमि

# रामायण को हरा ढंढेरी गांव की टीम बनी विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

- **नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत ढंढेरी गांव में फुटबॉल प्रतियोगिता**

नशा मुक्ति अभियान व खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से गांव ढंढेरी में फुटबाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। नशा मुक्ति टीम इंचार्ज एएसआई दीपक कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में गांव ढंढेरी, रामायण, भगाना व सुल्तानपुर गांव की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहे।

उन्होंने बताया कि फाइनल मुकाबले में ढंढेरी गांव की टीम ने रामायण गांव की टीम 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को पुलिस की ओर से आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। एएसआई दीपक ने ग्रामीणों, खिलाड़ियों और युवाओं को नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने विशेष रूप से नाबालिगों को वाहन ना चलाने की सलाह दी। प्रतियोगिता के समापन पर खिलाड़ियों ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और गांव को नशा मुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई।

## लुवास में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया आरंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश आवेदन प्रक्रिया आरंभ हो गई है। यह प्रक्रिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) नरेश जिंदल के मार्गदर्शन में संचालित हो रही है।

कुलपति प्रो. डॉ. नरेश जिंदल, देश के प्रख्यात पशु चिकित्सा वैज्ञानिकों में से एक हैं। उनका दृष्टिकोण पशुपालन एवं पशु चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण को प्राथमिकता देना है, जिससे विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक रूप से सशक्त बनें, बल्कि आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुखी भी हो सकें। इसी सोच के अनुरूप विश्वविद्यालय ने प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी और डिजिटल बनाया है। लुवास के कुलसचिव डॉ. सुरेंद्र ढाका ने प्रवेश आवेदन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निर्धारित तिथियों के भीतर आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्नातक पाठ्यक्रम बीवीएससी एंड एएच (बैचलर ऑफ वेटनरी साइंस ऐंड एनिमल हसबेंडरी) तथा बी टेक (डेयरी टेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन 26 जुलाई से 14 अगस्त तक बिना विलंब शुल्क के स्वीकार किए जाएंगे। जो अभ्यर्थी निर्धारित समयावधि में आवेदन नहीं कर पाएंगे, वे 20 अगस्त तक विलंब शुल्क सहित आवेदन कर सकते हैं।

# अवैध शराब की 170 पेटी के साथ एक काबू, शराब लदी गाड़ी जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

विशेष अभियान के दौरान स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने करीब 6 लाख रुपये की अवैध शराब की 170 पेटी के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अवैध शराब के साथ पकड़े गए आरोपी की पहचान भाटोल जाटान निवासी साहिल के रूप में हुई है।

यह जानकारी देते स्पेशल स्टाफ में तैनात सब इंस्पेक्टर सुरजमल ने बताया कि स्पेशल स्टाफ हांसी को गश्त पड़ताल दौरान सुचना मिली थी एक व्यक्ति पिकअप कन्टेनर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुन्दनापुर फ्लाईओवर से दिल्ली की ओर अवैध शराब लेकर जायेगा। सूचना के आधार पर स्पेशल स्टाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नजदीक कुन्दनापुर फ्लाईओवर पर नाकाबंदी कर प्राप्त सुचना अनुसार पिकअप गाड़ी को रुकवाकर चैक किया तो गाड़ी के अन्दर देसी शराब की 120 पेटी ओर 50 पेटी बीयर बरामद हुई। और गाड़ी चालक से जब गाड़ी में रखी शराब के बारे में पुछा तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया और ना ही शराब का बिल या परमिट पेश कर सका। उन्होंने बताया कि अवैध शराब के साथ पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ थाना सदर हांसी में शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गाड़ी व अवैध शराब को कब्जा पुलिस में लिया गया तथा आरोपी को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

हांसी। अवैध शराब के साथ पकड़ा गया आरोपी पुलिस गिरफ्त में

## सीईटी परीक्षा में सरकार ने किया ऐतिहासिक कार्यः स्वामी

**हिसार।** भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला महामंत्री बीरबल स्वामी ने कहा है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इतिहास में पहली बार सीईटी के पेपर देने वाले बच्चों के लिए शानदार व्यवस्था की है, इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व सरकार के सभी मंत्री व सभी प्रशासनिक अधिकारी प्रशंसा के पात्र हैं। बीरबल स्वामी ने कहा कि इस बार सीईटी की परीक्षा देने वाले बच्चों के व उनके अभिभावकों के लिए आने-जाने की व्यवस्था, रहने व खाने-पीने की व्यवस्था इतनी बेहतरीन तरीके से की गई है, जो काबिले तारीफ है। इससे अभिभावकों व परिक्षार्थियों में खुशी की लहर है और उनके चेहरे पर साफ तौर से सरकार के प्रति धन्यवाद की छवि नजर आ रही है।

# ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट बाइक का किया 31 हजार का चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

यातायात नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने साइलेंसर से गोली जैसी आवाज निकालने वाले बुलेट मोटरसाइकिल का 31 हजार रुपये का चालान कर उसे इंपाउंड कर लिया।

सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि सड़क पर दो पहिया वाहनों की यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है और इसी अभियान के दौरान अग्रसेन चौक के समीप बुलेट मोटरसाइकिल सवार को कागजात की जांच के लिए रोक कर बुलेट मोटरसाइकिल के साइलेंसर को चैक किया गया तो उसके अंदर से गोली चलने जैसी आवाज निकली जिसके बाद बुलेट मोटरसाइकिल का 31 हजार रुपये का चालान कर किया गया है।

हांसी। बुलेट मोटरसाइकिल की जांच करते इंचार्ज सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

## सैनिकों की वीरता एवं साहस से ही हमारा देश सुरक्षित : नेहरा

**हिसार।** कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सैनिक स्कूल खारा खेड़ी में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अंतर्गत प्रातःकाल 10 किलोमीटर की कारगिल रन का आयोजन किया गया इसमें सैनिक स्कूल के 300 कैडेट्स ने भाग लिया। इस कारगिल रन की अगुवाई नायब सूबेदार देवेंद्र सिंह, लांस नायक विजय सिंह एवं स्कूल के सभी खेल प्रशिक्षकों ने की। ये केडेट्स खारा खेड़ी की ढाणियों के कच्चे रास्तों से गुजरते हुए कारगिल विजय दिवस का संदेश देते हुए वापस स्कूल पहुंचे। उसके पश्चात विशेष सभा का आयोजन किया गया जिसमें केडेट्स ने देशभक्ति के गीत एवं कविताएं प्रस्तुत की। केडेट्स ने अपने भाषण में कारगिल विजय ऑपरेशन के बारे में विस्तार से बताया तथा शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी और 2 मिनट का मौन धारण किया। स्कूल कमांडेंट कर्नल डीवी नेहरा ने विशेष सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सैनिकों की वीरता एवं साहस से ही हमारा देश सुरक्षित है। हमें अपने शहीदों के प्रति श्रद्धानवत होना चाहिए।

- **सैनिक स्कूल खारा खेड़ी में कारगिल दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन**

उन्होंने केडेट्स से कहा कि हर सैनिक के लिए देश सर्वोपरि होता है। तत्पश्चात अंतर-सदनीय कारगिल विजय दिवस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें पानीपत सदन प्रथम एवं चिलियांवाला सदन द्वितीय स्थान पर रहे। स्कूल चेयरमैन डॉ० युद्धवीर सिंह, स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य ने कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन किया।

### उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिए 1 से 13 अगस्त तक होगा पीईटी एंड पीएमटी

# सेना में चयनित उम्मीदवारों की सूची हुई जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सेना भर्ती कार्यालय, हिसार ने अग्निवीर जनरल ड्यूटी, क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल, टेक्निकल, ट्रेड्समैन और स्थायी श्रेणी सोल्जर टेक्निकल नर्सिंग असिस्टेंट/नर्सिंग असिस्टेंट (वेटनरी), सेपोय फार्मा, रिलीजियस टीचर जूनियर कमीशन ऑफिसर, जूनियर कमीशन ऑफिसर कैटरिंग, हवलदार सर्वेयर ऑटोमेटेड कार्टोग्राफर, हवलदार एजुकेशन के लिए चल रही भर्ती प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 2025-26 में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिए शारीरिक दक्षता और मापदंड परीक्षा का आयोजन 1 अगस्त से 13 अगस्त के बीच किया जाएगा। यह परीक्षा सेना भर्ती कार्यालय हिसार में आयोजित होगी। अग्निवीर श्रेणी के लिए हरियाणा राज्य के हिसार, जींद, सिरसा और फतेहाबाद तथा स्थायी श्रेणी के लिए संपूर्ण हरियाणा राज्य गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात और पलवल जिलों को छोड़कर), केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के सभी उम्मीदवारों की रैली भर्ती कार्यालय हिसार में आयोजित की जाएगी।

### उम्मीदवार वेबसाइट पर देंखे अपना परिणाम

सीईई 2025-26 में भाग लेने वाले चयनित उम्मीदवारों की सूची 26 जुलाई को भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई है। उम्मीदवार अपना परिणाम इसी वेबसाइट पर जांच सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को उनके पंजीकृत ईमेल आईडी पर एडमिट कार्ड भेजे जा रहे हैं। शारीरिक दक्षता और मापदंड परीक्षा में सभी सीईई उत्तीर्ण उम्मीदवार भाग लेंगे। इस संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर उपलब्ध अधिसूचना में देखी जा सकती है। शारीरिक दक्षता और मापदंड परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को अगले चरण के लिए चुना जाएगा। इस वर्ष अनुकूलन क्षमता परीक्षण को भर्ती प्रक्रिया में अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है। यह परीक्षण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना की अन्य परीक्षाएं। इस परीक्षण के लिए उम्मीदवारों को डेटा पैक क्रेडिट और चार्ज के साथ स्मार्टफोन लाना अनिवार्य है, जिसे परीक्षण से पहले स्विच ऑफ कर दिया जाएगा।

## खबर संक्षेप

### बीड़ बबरान धाम में संकीर्तन आज

**हिसार।** बीड़ बबरान धाम में 27 जुलाई को श्याम बाबा का संकीर्तन किया जाएगा। संकीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को विशेष रूप से सजाया जाएगा। इस संकीर्तन में पधारने वाले भक्तगण श्याम बाबा के दरबार में अर्जी लगाकर मन्नत मांगेंगे। सायं 4 बजे से रात्रि 7 बजे तक चलने वाले इस संकीर्तन में भजनों के माध्यम से श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा। धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि 27 जुलाई को आयोजित होने वाले अर्जी संकीर्तन में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचेंगे और अपने इष्ट श्याम बाबा के समक्ष अर्जी लगाकर कष्टों के निवारण की कामना करेंगे।

### पंद्रह बुजुर्गों को अयोध्या भेजने में सहयोग दिया

**हिसार।** अग्रसेन भवन ट्रस्ट द्वारा बुजुर्गों के सम्मान में अयोध्या में श्रीराम के दर्शनों के लिये जारी मुफ्त हवाई यात्रा के लिये समाजसेवी ऋषिराज बुड़ाकिया ने अपनी ओर से सहयोग किया है। ट्रस्ट ने बताया कि समाजसेवी ऋषिराज बुडाकिया ने 15 बुजुर्गों पर अयोध्या आने, जाने, ठहरने व खाने, पीने का सारा खर्च वहन किया है। ऋषिराज बुड़ाकिया ने कहा है कि अग्रसेन भवन ट्रस्ट ने बुजुर्गों के सम्मान में अति सराहनीय मुहिम शुरु की है। अग्रसेन भवन ट्रस्ट के प्रधान अंजनी कुमार खारियावाला ने ऋषिराज बुड़ाकिया द्वारा बुजुर्गों के सम्मान में किए गए सहयोग का स्वागत किया है।

### ओबीसी की भागीदारी का सपना होगा पूरा

**हिसार।** दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कांग्रेस ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय महासम्मेलन में मंडी आदमपुर, नलवा, हिसार व बरवाला सहित हिसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। विधायक चंद्रप्रकाश के नेतृत्व में मंडी आदमपुर व हिसार से बसों व अपने निजी वाहनों में सवार होकर हजारों कार्यकर्ता मुंढाल पुल के पास एकत्र हुए और यहां से विशाल जत्था तालकटोरा स्टेडियम के लिए रवाना हुआ। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और सांसद राहुल गांधी के हाथ मजबूत करने का काम किया।

### लुवास ने कारगिल विजय दिवस मनाया

**हिसार।** लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) ने कारगिल विजय दिवस पर कुलाधिपति सचिवालय में भावपूर्ण 'रक्षा सूत्र' कार्यक्रम आयोजित किया। कुलपति डा. नरेश जिंदल के मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह का उद्देश्य भारतीय सैनिकों के साहस को नमन करना तथा विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए भारतीय वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अदम्य साहस व बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में डा. सज्जन सिहाग, डा. गुलशन नारंग, दिव्या आदि मौजूद रहे।

### सनराइज हाई स्कूल में कारगिल विजय दिवस पर भाषण प्रतियोगिता में भावना रही प्रथम

हिसार। विजेता छात्राओं को सम्मानित करते अतिथि।

हिसार। कारगिल विजय दिवस पर गांव डोभी के सनराइज हाई स्कूल में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके आयोजक मेरा युवा भारत तथा आजाद हिन्द युवा क्लब किरतान रहे जबकि मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी राजवीर सिंह शामिल हुए। भाषण प्रतियोगिता में अपनी बेहतरीन प्रस्तुति कर भावना ने प्रथम स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को संबोधित करते हुए कि किस तरह देश के बहादुर जवानों ने दुश्मन को शिकस्त दी और उनके छक्के छुड़ा दिए। आयोजन में गांव किरतान से आजाद हिन्द युवा क्लब प्रधान कपूर सिंह आर्य, बादर सिंह, कमलेश, मुस्कान, अनीता आर्य, प्रोमिल आर्य, सुभाष चंद्र आदि मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9653530207, 8814999173, 9253681005

### स्थानीय निवासियों और संगठनों ने बैठक की

# निगम ने शांति नगर के प्राचीन मंदिर को तोड़ने का दिया नोटिस

### क्षेत्रवासियों ने बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों से साधा संपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। शांति नगर पार्क में मंदिर के समीप बैठक करते क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

नगर निगम के संयुक्त आयुक्त ने शांति नगर के हनुमान मंदिर पार्क में बने मंदिर को एक सप्ताह में गिराने की चेतावनी देने वाला करीब नौ दिन पुराना नोटिस मंदिर पर चस्पा किया है। नोटिस के बाद पार्क व मंदिर समिति ने विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के पदाधिकारियों से संपर्क किया और उन्होंने हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

इसके बाद शनिवार शाम को शांति नगर पार्क स्थित मंदिर के समीप स्थानीय निवासियों और विभिन्न संगठनों ने बैठक भी की। नोटिस में लिखा है कि नगर निगम की जमीन पर बने पार्क में करीब 101 क्वेयर मीटर जगह पर अवैध रूप से मंदिर का निर्माण किया हुआ है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के एक केस का हवाला देते हुए कहा गया है कि सर्वजनिक सड़कों, सार्वजनिक पार्कों व सार्वजनिक स्थानों आदि पर मंदिर, चर्च, मस्जिद या गुरुद्वारा आदि के नाम पर कोई अनाधिकृत निर्माण नहीं किया जा सकता और ना ही अनुमति दी जा सकती है। इसलिए इस अवैध धार्मिक संस्थान को तुरंत प्रभाव से हटाया जाए अन्यथा संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा कानूनी कार्यवाही करते हुए उक्त मंदिर को तोडफ़ोड़ कर हटा दिया जाएगा जिस पर होने वाले खर्च के लिए मंदिर प्रबंधक, पुजारी जिम्मेवार होंगे। इसके अलावा दंडात्मक व न्यायालय के आदेशों की अवमानना की कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

निगम ने नोटिस के माध्यम से चेतावनी दी है कि सात दिन के अंदर-अंदर इस अवैध कब्जे को हटाकर या कार्यालय में आकर लिखित में सूचित करें अन्यथा हरियाणा नगर निगम अधिनियम की धारा 408ए के तहत कार्रवाई की जाएगी। पार्क मंदिर समिति के प्रधान डॉ. राजकुमार ढींगड़ा ने कहा कि यह मंदिर आज नहीं बना है बल्कि यह करीब पांच दशक पुराना मंदिर है। मंदिर को तोडऩे का नोटिस देना गलत है क्योंकि इसमें कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं हो रही है बल्कि पूरे क्षेत्र के लोगों की इससे आस्था जुड़ी है और सभी लोग मिलकर इस मंदिर का संचालन कर रहे हैं। इस बारे में अधिकारियों और सरकार के प्रतिनिधियों से मुलाकात की जाएगी।

# भव्य बिश्नोई ने किया धर्मशाला कार्यालय और भवन का शुभारंभ

- भवन निर्माण के लिए सहयोग देने पर पूर्व विधायक का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आदमपुर

आदमपुर। नवनिर्मित भवन का शुभारंभ करते पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई एवं अन्य।

आदमपुर के पूर्व विधायक एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भव्य बिश्नोई ने आदमपुर बिजली बोर्ड स्थित छिपा धर्मशाला में नवनिर्मित भवन तथा धर्मशाला कार्यालय का शुभारंभ किया।

हिसार नामदेव धर्मशाला के प्रधान मनीराम पवार, आदमपुर प्रधान गोलू राम मिस्त्री, महेंद्र सरोया तथा राजाराम पवार ने उन्हें समाज की तरफ से पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक बिश्नोई ने कहा कि जो मान-सम्मान व सहयोग छिपा समाज ने मुझे दिया है उसके लिए मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा तथा हर संभव सहयोग करूंगा।

इस मौके पर आदमपुर प्रधान गोलूराम मिस्त्री ने भवन के निर्माण के लिए 5,25,000 का सहयोग देने पर उनका धन्यवाद किया। इस मौके पर छेलू राम पवार, राजाराम खिचड़, अतर सिंह, कपिल खिचड़, महेंद्र कालीरावण,पृथ्वी सिंह, सरजीत, आत्माराम राठौर, सुरेश पवार, राजेश गहलोत, मास्टर भाल सिंह, रमेश पवार, मेहरचंद, विनोद वर्मा, राजबीर, रामेश्वर, पवन कुमार सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

# हकृवि वैज्ञानिकों ने स्ट्रॉबेरी क्राउन रॉट बीमारी की पहचान की : डॉ. गोदारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

डॉ. अशोक गोदारा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (हौटा) ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा स्ट्रॉबेरी की क्राउन रॉट बीमारी की पहचान किए जाने का स्वागत करते हुए इसे वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत व अनुसंधान का परिणाम बताया है।

हौटा ने कहा कि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों के हित में लगातार प्रयासरत है, जिसके तहत वे जहां विभिन्न फसलों की नई नई किस्में विकसित कर रहे हैं वहीं फसलों में आने वाली बीमारियों का पता लगाकर उनके रोकथाम का प्रयास कर रहे हैं ताकि किसान वर्ग को फायदा हो। हौटा अध्यक्ष डॉ. अशोक गोदारा एवं अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि हाल ही में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने स्ट्रॉबेरी की क्राउन रॉट बीमारी की पहचान की है और वैज्ञानिकों की इस मेहनत को उस समय और तवज्जो मिली जब अंतरराष्ट्रीय स्तर के एल्सेवियर प्रकाशन ने बीमारी को मान्यता दी। इस रोग की वजह से स्ट्रॉबेरी में पिछले वर्ष लगभग 20-22 प्रतिशत तक का नुकसान हुआ था।

हिसार। गांव नियाणा में पौधे वितरित करते हुए समिति सदस्य।

### जन उत्थान सेवा समिति ने किया पौधरोपण

**हिसार।** जन उत्थान सेवा समिति की ओर से निकटवर्ती गांव नियाणा में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इसके तहत स्कूली छात्रों एवं ग्रामीणों को निशुल्क पौधे वितरित किए गए है। समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि पर्यावरण रक्षा के लिए जितना ज्यादा पौधरोपण किया जाए उतना कम है। आने वाले समय में पर्यावरण प्रदूषण सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरेगी और इससे निपटने के लिए हमें अभी से बड़े स्तर पर प्रयास करने की जरूरत है और ज्यादा समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता आए इसके लिए समिति समय-समय पर इस तरह के प्रयास करती रहती है। इस दौरान सेवानिवृत संस्कृत अध्यापक अशोक कुमार, मास्टर मेहर सिंह, समाजसेवी रविन्द्र राणा, मुख्याध्यापक राजेश सहरावत सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

# तिरुपति धाम में माता गोदांबा उत्सव कल पूरे विधि विधान से होगा संपन्न

- आज के झूला उत्सव व संकीर्तन के लिए सज गया तिरुपति धाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। तिरुपति धाम में माता गोदांबा की सवारी शोभा यात्रा का दृश्य।

श्री तिरुपति बालाजी धाम में 27 जुलाई को आयोजित किए जाने वाले झूला उत्सव व संकीर्तन के लिए धाम को सजाया गया है।

पूरे धाम को रंग-बिरंगी लडिय़ों से सुसज्जित किया गया है और आकर्षक झूलों की व्यवस्था भी की गई है। 27 जुलाई को सायं 4 बजे पूरे विधि विधान व हर्षोल्लास के साथ हरियाली तीज के अवसर पर तिरुपति धाम के जगमोहन प्रांगण में झूला मंडप स्थापित किया जाएगा। इस झूले पर भगवान के विग्रह को शोभायमान करके झूला झूलते हुए दर्शन होंगे। इस दौरान भजन रस प्रवाहक भैया दिव्य दास जी और मंडली द्वारा संकीर्तन करके भगवान की आराधना की जाएगी। इसके साथ ही हरियाली तीज की शुभकामनाएं भी प्रेषित की जाएंगी। संकीर्तन के समापन पर सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था भी रहेगी झूला उत्सव व संकीर्तन में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। झूला उत्सव 9 अगस्त तक जारी रहेगा।

उधर, तिरुपति धाम में 19 जुलाई को प्रारंभ हुआ माता गोदांबा उत्सव धूमधाम से जारी है। पूरे विधि विधान से प्रातः माता गोदांबा की पूजा-अर्चना की गई और सायंकाल सवारी शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और रथ को रस्सों से खींचकर अपनी आस्था व्यक्त की।

# मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान दे सरकार : दलबीर किरमारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दलबीर किरमारा।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष दलबीर किरमारा ने केन्द्र व विभिन्न प्रदेशों की भाजपा सरकारों से मांग की है कि शिक्षा व चिकित्सा व्यवस्था पर ध्यान देकर आम जनता को राहत दी जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व चिकित्सा दो ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें सुविधाएं मिलना जरूरी है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि सरकार इन पर ध्यान नहीं दे रही।

दलबीर किरमारा ने कहा कि जहां-जहां भी भाजपा की सरकारें हैं, वहां अन्य सार्वजनिक विभागों को सिकोड़ने के साथ-साथ शिक्षा व चिकित्सा क्षेत्र को भी तबाह किया जा रहा है। हरियाणा व उत्तर प्रदेश में अनेक स्कूल बंद कर दिए गए, अनेक कोर्स बंद कर दिए गए, अनेक स्थानों पर फीस बढ़ा दी गई ताकि गरीब व मध्यम वर्ग की पहुंचे से पढ़ाई ही दूर हो जाए। इसी तरह साथ लगते राजस्थान में और भी बुरा हाल है। वहां कई-कई किलोमीटर दूर तक या तो स्कूल नहीं और स्कूल है तो पढ़ाने वाले नहीं है। जहां स्कूल व अध्यापक मिलेंगे, वहां पर स्कूल का भवन जर्जर मिलेगा।

# राजमा गेम में नीता व माला में शर्मिला विजेता रही

- अग्रवाल वैश्य समाज ने धूमधाम से मनाया तीज उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। तीज उत्सव मनाती अग्रवाल वैश्य समाज से जुड़ी महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा की प्रदेशाध्यक्ष सुशीला सर्राफ की अगुवाई में पूरे हरियाणा में अग्रवाल समाज की महिलाओं द्वारा तीज उत्सव का आयोजन किया गया। इसी क्रम में हिसार में भी धूमधाम से पर्व का आयोजन किया गया।

इस उत्सव के दौरान महिलाओं द्वारा कई गेम का आयोजन किया गया जिसमें राजमा गेम में नीता जांगड़ा, माला में शर्मिला, तम्बोला में रेखा बंसल, शेफाली व संगीता विजेता रही।

तीज उत्सव में स्वाति बंसल, रेखा बंसल, सुमन बंसल, ममता गुप्ता, शेफाली, शर्मिला, नीता जांगड़ा, सुनीता, सपना, संगीता गुप्ता, रेणु, दीपिका, शिम्मी के साथ अनेक महिलाएं शामिल हुईं। अग्रवाल वैश्य समाज से जुड़ी महिलाओं ने तीज पर्व पर प्रकाश डालते हुए अनेक पुरानी परम्पराओं को बताया। कोथली के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित महिलाओं ने उत्सव का भरपूर आनंद लिया।

# तीज सेलिब्रेशन कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ तनिष्क हिसार बना आकर्षण का केंद्र

- ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफ़र्स रखे गए थे स्टोर पर विशेष छूट व उपहारों का आनंद उठाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। तीज सेलिब्रेशन कार्यक्रम में हिस्सा लेती महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

तनिष्क हिसार पर हाल ही में आयोजित तीज सेलिब्रेशन कार्यक्रम ने ग्राहकों और शहरवासियों का दिल जीत लिया। इस आयोजन में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया और स्टोर पर विशेष छूट व उपहारों का आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफ़र्स रखे गए थे।

इनमें डिस्काउंट, गिफ्ट्स, फन गेम्स और नेल आर्ट एक्टिविटी का खास इंतज़ाम किया गया था। बच्चों और बड़ों-दोनों ने इस उत्सव का जमकर आनंद लिया। स्टोर प्रबंधक नरेश ने बताया कि हमारे इस सेलिब्रेशन का उद्देश्य केवल बिक्री नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक यादगार अनुभव देना था। इस त्यौहार पर झूला लगा कर इस त्यौहार में जान डाल दी और सभी के उत्साह और प्यार ने इस आयोजन को सफल बनाया। तनिष्क हिसार द्वारा आयोजित पूरे आयोजन को सभी ग्राहकों द्वारा भी खूब सराहा गया, और आने वाले समय में ऐसे और आयोजन करने की योजना बनाई जा रही है।

### कारगिल विजय दिवस पर शौर्य स्मृति फ्रेंडली हैंडबॉल मैच

# खेल आयोजनों से छात्रों में बढ़ता कौशल : सुनील

- अंडर-14 एवं अंडर-19 बालिका वर्ग की टीमों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। हैंडबॉल मैच खेलती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को पायनियर इंटरनेशनल स्कूल, धमाना में शौर्य स्मृति फ्रेंडली हैंडबॉल मैच का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य देश के शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करना तथा विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और खेल भावना का विकास करना रहा।

इस विशेष आयोजन में अंडर-14 एवं अंडर-19 बालिका वर्ग की टीमों ने भाग लिया, जिनमें पायनियर इंटरनेशनल स्कूल धमाना एवं सातरोड़ कलां की छात्राओं ने भाग लिया।

खिलाड़ियों ने वीरों की स्मृति को समर्पित करते हुए अनुशासन और समर्पण के साथ शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विद्यालय के डायरेक्टर सुनील कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में न केवल खेल कौशल बढ़ता है, बल्कि उनके भीतर राष्ट्रप्रेम, नेतृत्व व सहयोग की भावना भी विकसित होती है।

मैचों का संचालन हैंडबॉल कोच संदीप पूनिया एवं पवन शर्मा ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं वीरों के सम्मान में मौन रखकर किया गया।

पेशाब
की समस्याओं का स्थाई इलाज
- बार-बार पेशाब आना व जलन होना।
- पेशाब की कमजोर धार या रुक-रुक कर आना।
- गुर्दे व नलकी की पथरी से पेशाब में समस्या।
- गदूद/प्रोस्टेट के ऑप्रेशन से पहले अवश्य सम्पर्क करें व ऑप्रेशन से बचें।
डॉ. एम.एस.पूनियाँ
(B.H.M.S., D.N.H.E.) Jaipur
35 वर्षों का अनुभव
परामर्श नि:शुल्क (Free OPD)
समय : सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक
मंगलवार व शुक्रवार को अवकाश रहेगा
कृपया आने से पहले अपना रजिस्ट्रेशन करवा दें :
85709-15000
अशोका होम्योपैथिक हॉस्पिटल
Near Bus Stand, Gali No. 3, Rishi Nagar, Hisar

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 जुलाई 2025


## बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा

# हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

### अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

### नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

### कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।



### जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

### हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

## यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं

# देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

**हाई सैलरी देने वाले शहर:** 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

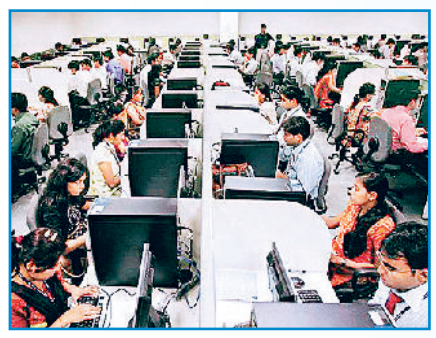

**ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे:** एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

**इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे:** बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

**हैदराबाद भी है मुकाबले में:** हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

---

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

# डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

**जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स:** आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

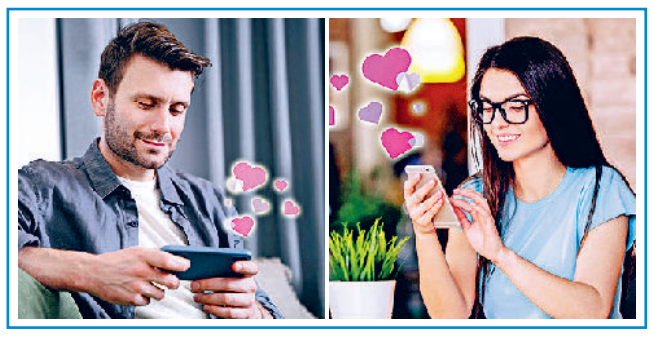

**सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स:** दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

**इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी:** डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

**पड़ रहा है रिश्तों पर असर:** इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

**नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद:** हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

---

{ छोटी कहानी / गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

# दिव्यांग

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

# प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

**पुस्तकें:** प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं,
**संपादक:** पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

अमेरिकन रेन डांस

बन बंग फाई, थाइलैंड

वर्षा के लिए प्रार्थना करते तिब्बती बौद्ध भिक्षु

वोडू वर्षा नृत्य, हैती

इन दिनों अपने देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय है, खूब बारिश हो रही है। लेकिन कई बार समय पर बारिश नहीं होती है। देश, दुनिया के कई हिस्सों में बारिश न होने पर उसके आह्वान को लेकर कई परंपराएं प्रचलित हैं। यहां बता रहे हैं कुछ ऐसी ही अजब-अनूठी परंपराओं के बारे में।

# बहुत अजब-अनोखी हैं दुनिया में बारिश के आह्वान की रस्में

ट्रेडिशंस
शिखर चंद जैन

एक तरफ जहां अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में लोग भगवान से बारिश रोकने की प्रार्थना करते हैं, वहीं बारिश की कमी वाले दुनिया के कई देशों में लोग बारिश के लिए बादलों, देवताओं और ईश्वरीय शक्तियों का आह्वान करते हैं। इसके लिए तरह-तरह की धार्मिक रीतियों का पालन करते हैं।

**अमेरिकी जनजातियों का वर्षा नृत्यः** अमेरिका के मैदानी हिस्सों में रहने वाली कई जनजातियों के लोग वर्षा नृत्य करते हैं। यह वर्षा के आह्वान का प्राचीन अनुष्ठान है। इस अनुष्ठान में पारंपरिक पोशाक और पंखों वाले मुकुट या टोपी पहन कर, हाथों में चील के पंख लिए, घंटों तक एक घेरे में गाना, ढोल बजाना और नृत्य करना शामिल है। ऐसा माना जाता है कि वर्षा नृत्य से वर्षा के देवता खुश होकर वर्षा करते हैं।

**बन बंग फाई (रॉकेट महोत्सव):** थाईलैंड के इसान रीजन और उत्तर-पूर्वी थाईलैंड के कुछ इलाकों में हर वर्ष जून महीने में यह अनोखा रॉकेट त्योहार खेती के मौसम से ठीक पहले मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान ग्रामीण लोग और भिक्षु, बांस या लोहे के पाइप से रॉकेट बनाने के लिए एकत्रित होते हैं। इस उत्सव में मंदिर या आस-पास के अन्य इलाकों के चारों ओर एक जुलूस निकाला जाता है, जिसके बाद लोग आकाश में रॉकेट छोड़ते हैं। यह क्रिया 'फाया थाएन' नामक देवता को अर्पित की जाती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मौसम के अनुसार बारिश का होना सुनिश्चित करते हैं।

**आदिवासी बच्चों का मेंढक नृत्यः** ऑस्ट्रेलिया देश के आदिवासी, हजारों सालों से मेंढक नृत्य करते आ रहे हैं। यह नृत्य शुष्क मौसम में किया जाता है, जब मेंढक शांत होते हैं। यह मेंढकों को जगाने और बारिश के आह्वान के लिए किया जाता है। इस नृत्य में मेंढकों की गतिविधियों की नकल करना, मेंढक जैसी आवाजें निकालना, शरीर पर रंग, जानवरों की खाल पहनना, भाले और बूमरैंग लेकर चलना शामिल होता है।

**नांग मेव समारोहः** थाईलैंड में ही बन बंग फाई के अलावा, थाई किसानों द्वारा देश के मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में वर्षा के आह्वान के लिए नांग मेव समारोह भी मनाया जाता है। जब बुवाई का मौसम आता है, तो किसान अपने गांवों या मंदिरों में नांग मेव (बिल्ली) की परेड निकालते हैं, इस उम्मीद में कि जब बारिश की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब बारिश हो। ऐसा माना जाता है कि बिल्लियां बारिश से डरती हैं और अगर इस समारोह के दौरान कोई बिल्ली रोती है, तो इसका मतलब माना जाता है कि बारिश होने वाली है।

नांग मेव समारोह, थाईलैंड

**केबो-केबोआनः** इंडोनेशिया में केबो-केबोआन पारंपरिक समारोह मनाया जाता है। यह पूर्वी जावा के अलियान और अलस्मलांग गांवों में बान्यूवांगी लोगों द्वारा सदियों से मनाया जाता रहा है। यह समारोह बारिश, अच्छी फसल और शुष्क मौसम में आपदाओं से सुरक्षा की प्रार्थना के लिए किया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि इस परंपरा का पालन ईश्वर की कृपा के प्रति उनकी कृतज्ञता का प्रतीक है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूर्वजों की आत्माओं का आह्वान करता है। भैंसों को इस पारंपरिक समारोह का मुख्य प्रतीक माना जाता है क्योंकि वे किसानों की गतिविधियों और चावल के खेती से गहराई से जुड़े होते हैं। समारोह के दौरान, लोग भैंसों (केबो) की वेशभूषा धारण करते हैं और उनकी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि इसमें कोई वास्तविक जानवर शामिल नहीं होता। समारोह की शुरुआत प्रार्थना और टुम्पेंग नामक व्यंजन खाने से होती है। टुम्पेंग, जीवन चक्र के प्रतीक माने जाने वाले, चावल के 12 शंकु के आकार के ढेरों से बना एक व्यंजन होता है।

**भिक्षुओं द्वारा मंत्रोच्चारः** जब भी सूखा पड़ता है या समय पर बारिश नहीं होती है तो तिब्बती भिक्षु, आकाश और जल के देवी-देवताओं से प्राचीन मंत्रों और प्रार्थनाओं का जाप शुरू कर देते हैं। भिक्षुओं का मानना है कि उनके जाप से वातावरण शुद्ध होता है और वर्षा के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनती हैं। यह जाप अकसर पर्वत शिखरों पर किया जाता है।

**वोडू वर्षा नृत्यः** हैती के लोगों में बारिश बुलाने का अनुष्ठान वोडू वर्षा नृत्य कहलाता है। यह सूखे के दौरान किया जाने वाला एक अनोखा नृत्य है। इसके जरिए कलाकार वोडू धर्म की पवित्र आत्माओं (लोआ) को बारिश के लिए आमंत्रित करते हैं। *

## भारत में वर्षा संबंधी विभिन्न समारोह

**वरुण यज्ञ अनुष्ठानः** वरुण यज्ञ अनुष्ठान, वैदिक हिंदू वर्षा आह्वान अनुष्ठान है। यह आज भी भारत के कई हिस्सों में किया जाता है। यह अनुष्ठान सनातन धर्म में जल के देवता वरुण को समर्पित है। इसमें मंत्रोच्चार, अग्नि में आहुति देना और वर्षा हेतु प्रार्थनाएं शामिल होती हैं। यह अनुष्ठान आमतौर पर मानसून के मौसम में उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहां बरसात की कमी होती है।

**अभिषेकम अनुष्ठानः** दक्षिण भारत के किसान विशेष रूप से यह वर्षा-आह्वान अनुष्ठान अपनी उपज बढ़ाने के लिए, वर्षा की प्रार्थना हेतु करते हैं। यह अनुष्ठान हिंदू धर्म में वर्षा के देवता, भगवान इंद्र को समर्पित है। इसमें उनकी मूर्ति पर जल और दूध चढ़ाया जाता है। इसका उद्देश्य वर्षा के देवताओं को प्रसन्न करना और वर्षा लाना है। यह आमतौर पर गर्मी के महीनों में किया जाता है, जब वर्षा कम होती है।

**मेंढकों का विवाहः** देश के कई हिस्सों, विशेष रूप से उत्तर, मध्य-पश्चिमी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि के ग्रामीण और कई आदिवासी इलाकों में मान्यता है कि बारिश न होने पर अगर सामूहिक तौर पर मेंढक-मेंढकी का विवाह करवा दिया जाए तो बारिश होती है।

बढ़ती महंगाई के दौर में किसी एक नौकरी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अगर आप पोर्टफोलियो करियर चॉइस अपनाते हैं, तो इससे आपके करियर ग्रोथ और इनकम के कई रास्ते खुल सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर, इसके ऑप्शंस और बेनिफिट्स के बारे में जानिए।

# आज के दौर की जरूरत है पोर्टफोलियो करियर

प्रोफेशनल लाइफ / अंजू जैन

एक जमाना था जब लोग बड़े गर्व से बताते थे कि उन्होंने किसी एक ही बिजनेस फर्म या बड़ी कंपनी में नौकरी शुरू की और 35-40 साल तक काम करके वहीं से रिटायर हो गए। वो दौर पिछली सदी का था। तब किसी कंपनी में आप समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से काम करते थे तो आपको नौकरी खोने का इतना डर नहीं होता था। लेकिन अब बहुत कुछ बदल चुका है। कंपनियां जब ले ऑफ करती हैं तो कोई भी उसकी चपेट में आ सकता है। एंप्लॉई भी जहां ज्यादा सैलरी या अच्छा पैकेज देखता है, वहीं चला जाता है। दिनों-दिन बढ़ती कॉस्ट ऑफ लिविंग, शिक्षा और चिकित्सा पर बढ़ा हुआ खर्च आदि को देखते हुए एक जॉब पर पूरी तरह निर्भर रहना ना तो सुरक्षित है, ना बुद्धिमानी। आय के एक से ज्यादा स्रोत रखना और अपनी मल्टीपल प्रोफेशनल आइडेंटिटी रखना आज के वक्त की जरूरत है। इसलिए आपको भी पोर्टफोलियो करियर माइंडसेट के बारे में सोचना चाहिए।

**पोर्टफोलियो करियर क्या हैः** पोर्टफोलियो करियर यानी एक व्यक्ति द्वारा अपनी स्किल्स का प्रयोग करते हुए आय के कई स्रोतों की व्यवस्था करना। इसके अंतर्गत एक फुल टाइम जॉब के साथ-साथ या फिर बिना फुल टाइम जॉब के अलग-अलग कई काम किए जाते हैं। पोर्टफोलियो करियर में साइड हसल, एकाधिक पार्ट टाइम जॉब्स, साइड बिजनेस या फ्रीलांसिंग शामिल हैं।

उदाहरण के लिए एक नौकरीशुदा ग्राफिक डिजाइनर एक से अधिक व्यवसाइयों के लिए लोगो बना सकता है। एक अकाउंटेंट पूर्णकालिक रूप से एक फर्म में काम कर सकता है, साथ ही अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस भी कर सकता है।

**पोर्टफोलियो करियर के फायदेः** पोर्टफोलियो करियर के कई फायदे होते हैं।

**बैलेंस्ड पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफः** पोर्टफोलियो करियर अपनाने वाले लोग अपनी सुविधानुसार टाइम टेबल और अपनी पसंद का काम चुन सकते हैं। इसमें अकसर घर से काम करने की छूट होती है, जिससे विभिन्न गतिविधियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य कामों के लिए आपको समय मिल जाता है। इससे आपको बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस प्राप्त करने में मदद मिलती है।

**एक्सट्रा इनकमः** पोर्टफोलियो करियर के साथ आप कई सोर्सेज से इनकम प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी आपका सोर्स ऑफ इनकम बंद नहीं होगा।

**नो बाउंडेशनः** पोर्टफोलियो करियर के साथ आपको किसी खास तरह की नौकरी के बंधन में नहीं रहना पड़ता। आप अपनी रुचियों को समय देने और उन्हें पोषित करने वाले किसी करियर को परख और चुन सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर आपको किसी भी चीज के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना विभिन्न अनुभव प्राप्त करने का अवसर देता है।

**पोर्टफोलियो करियर शुरू करें ऐसेः** अपना पोर्टफोलियो करियर आप कुछ इस तरह शुरू कर सकते हैं।

**प्रॉपर प्लानिंग बनाएंः** अगर आप अपना पोर्टफोलियो करियर शुरू करने का फैसला करते हैं तो इसकी प्रॉपर प्लानिंग बनाएं और उस पर अमल करें। आप रेग्युलर करियर के साथ-साथ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं या फिर सिर्फ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं।

**अपनी स्किल्स को समझेंः** इसके लिए अपनी क्रिएटिविटी, स्किल्स और इंट्रेस्ट पर विचार करें ताकि आप यह निर्धारित कर सकें कि आप किस तरह के काम से इनकम के लिए इनका उपयोग करना चाहते हैं। इसके बाद ही उस दिशा में अपने कदम बढ़ाएं। इससे सफल होने के चांसेज काफी बढ़ जाएंगे।

**लोगों के साथ नेटवर्क बनाएंः** अपने पोर्टफोलियो करियर को विकसित करने के लिए आप अपने पुराने सहकर्मियों, सहपाठियों, दोस्तों और ग्राहकों के साथ फिर से जुड़ें। उन्हें अपने काम के बारे में बताएं। संभव है कि वे आपके लिए उपयुक्त अवसरों के बारे में बता सकें। वे आपको सलाह, संपर्क, सहायता या यहां तक कि काम भी दे सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक गंगा को भारतीय संस्कृति में पूज्य एवं जीवनदायिनी माना जाता है। इसका केवल धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी बहुत अधिक है। भारतभूमि की जीवनधारा गंगा के प्रवाह और महत्ता पर एक दृष्टि।

# सभ्यता-संस्कृति की वाहक पुण्यसलिला-जीवनदायिनी गंगा

नदी गाथा
वीना गौतम

नदियों के किनारे ही संसार की सभी सभ्यताएं, संस्कृतियां विकसित हुई हैं, फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति लोगों की उदासीनता के कारण धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब तो नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ी को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती में इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फूलती-फलती रहे।

**भारतीय सभ्यता-संस्कृति की पहचानः** गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी ही नहीं है। यह भारतीयता की पहचान और देश की जीवनरेखा भी मानी जाती है। भारतीय जनमानस में इस नदी के प्रति असीम श्रद्धा है। यह न केवल हमें जल प्रदान करती है बल्कि आस्था, सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की भी वाहक है। देश की सबसे महत्वपूर्ण और पूज्यनीय नदी गंगा को भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि गंगा में सिर्फ पानी नहीं, एक समूची सभ्यता प्रवाहमान है।

**गंगा नदी का प्रवाह तंत्रः** गंगा नदी की उत्पत्ति हिमालय के गोमुख हिम नदी से होती है, जहां इसे भागीरथी कहा जाता है। प्रवाह के क्रम में अलकनंदा, जब इस भागीरथी में आ मिलती है, तो उसके बाद से इन दोनों नदियों का संगम गंगा कहलाने लगता है। गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 2525 किलोमीटर है। गंगा के बेसिन में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 26 प्रतिशत से ज्यादा भाग आता है। गंगा जिन अपनी सहायक नदियों के चलते देश की सबसे महान नदी बनती है, उन सहायक नदियों में यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी और सोन नदी प्रमुख हैं। गंगा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है तथा अंत में बांग्लादेश में प्रवेश कर पद्मा के रूप में बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है।

**बसे हैं कई तीर्थस्थलः** गंगा नदी देश के अनेक महत्वपूर्ण शहरों से होकर बहती है। साथ ही यह देश के कई पवित्र तीर्थस्थलों की पुण्य सलिला भी है। गंगा नदी के किनारे ही हरिद्वार, ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयागराज और गंगा सागर जैसे पवित्र तीर्थस्थल हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय सभ्यता के आधार हैं।

**एक जीवंत भौगोलिक संसाधनः** भौगोलिक दृष्टि से गंगा बहुत ही महत्वपूर्ण नदी है। गंगा घाटी का क्षेत्र भारत की सबसे उपजाऊ कृषि भूमि के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में गंगा के जल से सिंचाई, जल परिवहन और पेय जल की लगभग समूची व्यवस्था बनती है, जो इसे एक जीवंत भौगोलिक संसाधन के रूप में बदलती है। गंगा घाटी क्षेत्र में बसने वालों के लिए गंगा सिर्फ एक नदी नहीं बल्कि जीवनधारा है।

**धार्मिक-सांस्कृतिक महत्वः** हिंदू धर्म में गंगा को केवल नदी या जलधारा नहीं माना जाता, बल्कि इसे माता, देवी और मोक्षदायिनी का दर्जा प्राप्त है। गंगा के जल को अमृत के तुल्य माना जाता है। इसलिए भारत के हर धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान में गंगा जल का इस्तेमाल होता है। यही नहीं, मोक्ष की कामना रखने वाले हर धार्मिक हिंदू की यह ख्वाहिश होती है कि उसकी मृत्यु के पश्चात उसके मुंह में गंगा जल की कुछ बूंदें डाली जाएं और उसकी चिता की राख को गंगा नदी में प्रवाहित किया जाए। आरंभ से लेकर आज तक गंगा भारतीय मानस में आस्था एवं श्रद्धा के रूप में प्रवाहित हो रही है। गंगा का उल्लेख वैदिक ग्रंथों से लेकर भारतीय साहित्य, कला, संगीत और लोककथाओं में व्यापक रूप से मिलता है। गंगा का उल्लेख हमारे राष्ट्रगान में भी मिलता है।

**गंगा का आर्थिक महत्वः** भारत का लगभग 40 फीसदी हिस्सा गंगा के बेसिन क्षेत्र में बसता है और यह क्षेत्र देश के कृषि, उद्योग और व्यापार की दृष्टि से सबसे समृद्ध है। गंगा का जल उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल तथा झारखंड के एक बड़े हिस्से में सिंचाई का सबसे बड़ा स्रोत है। गंगा, यमुना के दोआब की भूमि गेहूं, गन्ना और दलहन की खेती के लिए मशहूर है। हरित क्रांति की सबसे बड़ी प्रयोग भूमि यही गंगा का मैदान था।

गंगा के किनारे कोलकाता, कानपुर, भागलपुर, वाराणसी और पटना जैसे देश के कई औद्योगिक नगर बसे हैं। चमड़ा, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, बिजली संयंत्र, कागज उद्योग जैसे कई औद्योगिक संयंत्र स्थापित हैं। हाल के दशकों में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 परियोजना के तहत हल्दिया से वाराणसी तक जल परिवहन को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे गंगा सस्ते और एक पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन का भी आधार बन गई है।

**चुनौतियां हैं कईः** गंगा के समक्ष आज अनेक चुनौतियां भी हैं, जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। दरअसल, गंगा के जल पर दुनिया में सबसे ज्यादा जनसांख्यिकी दबाव है। जितने लोग गंगा नदी पर आश्रित हैं, उतने लोग दुनिया में किसी और नदी पर अपने जीवनयापन और सभी तरह की पहचान के लिए आश्रित नहीं हैं। इसलिए गंगा पर अतिरिक्त जन दबाव, औद्योगिक प्रदूषण, अपशिष्ट जल के साथ-साथ धार्मिक कर्मकांडों एवं प्रदूषण की भी मार है। गंगा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। नमामि गंगे मिशन जैसी योजना चलाई जा रही है। अनेक जलशुद्धि सयंत्रों की स्थापना की गई है। *

हिंदी फिल्में नायक, नायिका और खलनायकों के बॉलीवुड में अपने पैर जमाने में मदद करती रही हैं, एक बड़ी पहचान दी है। इसके साथ इनके पैरों का फिल्मों में बहुत ही करिश्माई अंदाज में फिल्मांकन हुआ, जिसने सस्पेंस, रोमांच, एक्शन, रोमांस क्रिएट करके फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में इंपॉर्टेंट रोल अदा किया है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

# पर्दे पर पैरों का करिश्मा

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी सिनेमा की शुरुआत से लेकर आज तक कई सितारों ने अपनी काबिलियत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाए। कई बार तो नायक-नायिकाओं के पैरों के फिल्मांकन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके पैर जमाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

**फिल्म में हीरो से पहले उसके पैरों की एंट्रीः** फिल्म 'फूल और पत्थर' में नायक धर्मेंद्र की एंट्री छोटे-छोटे पैरों से सड़क पर चढ़ते हुए और बड़े पैरों से सड़क से उतरते हुए थी, जिसे बहुत पसंद किया गया। इसके बाद तो कई फिल्मों में पैरों का शॉट दिखाकर नायक को बच्चे से बड़ा दिखाने के प्रयोग किए गए।

**पैरों ने क्रिएट किया सस्पेंस-एक्शनः** देव आनंद की 'ज्वेल थीफ' में भी पांव को लेकर सस्पेंस दिखाया गया। नायिका कहती है कि नायक के पैरों में छह अंगुलियां हैं, वह पैर दिखाए। लेकिन वह टालमटोल करता है, जिससे सस्पेंस बढ़ता जाता है। बाद में नायक जिस अंदाज से मौजे उतारता है, वह दृश्य देखने लायक होता है। फिल्म 'शोले' में हाथ कटे ठाकुर (संजीव कुमार) की असमर्थता तब शौर्य में बदल जाती है, जब फिल्म के क्लाइमेक्स में वह अपने पैरों में पहने कील लगे जूतों से गब्बर सिंह (अमजद खान) को मारता है। ठाकुर के पैर की हर ठोकर पर सिनेमा हॉल तालियों और सीटियों से गूंज उठता। 'शोले' में ही गब्बर सिंह को भी चट्टान पर बेल्ट लेकर घूमते दिखाया गया, तब कैमरा उसके पैरों पर ही फोकस होता है।

शम्मी कपूर की फिल्म 'चायना टाउन' में नायक के हमशक्ल के पैरों का आकार छोटा होने से कहानी में मोड़ आता है, तो सलीम जावेद ने 'यादों की बारात' में एक नया प्रयोग किया। इसमें खलनायक अजीत के दोनों पैरों के आकार में अंतर होता है। वह एक पैर में 9 नंबर और दूसरे पैर में 10 नंबर का जूता पहनता है। फिल्म के क्लाइमेक्स में जब टेबल पर अजीत के दोनों जूते दिखाए जाते हैं, तो फिल्म के नायक धर्मेंद्र उसे पहचान लेते हैं। इसके साथ ही फिल्म का रोमांच चरम सीमा पर पहुंच जाता है।

**नायिकाओं के हसीन पैरः** हिंदी फिल्मों में नायिका के हसीन पैरों पर भी कई आइकॉनिक दृश्य और गीत फिल्माए गए। फिल्म 'पाकीजा' में मीना कुमारी के पैरों की खूबसूरती ने खूब करिश्मा किया। बिना चेहरा देखे, रेल की सीट पर मीना कुमारी के पैर देखकर राजकुमार एक चिट्ठी छोड़ जाते हैं, जिस पर लिखा होता है 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे।'

याद कीजिए फिल्म 'शोले' का वो डायलॉग जिसमें गब्बर सिंह बसंती से कहता है 'जब तक तेरे पैर चलेंगे, उसकी सांस चलेगी। जब तेरे पैर रुके, तो ये बंदूक चलेगी।'

फिल्म 'मिस मेरी' में बचपन में बिछड़ी नायिका के पैरों की छह अंगुलियां, उसे अपने परिवार से मिलाती है तो 'नाचे मयूरी' में सुधा चंद्रन के नकली पैरों से नर्तकी बनने की कहानी कही गई।

जब नायिकाओं के पैरों की बात आती है, तो जाहिर है वह सुंदर तो होंगे ही। 'मेरे पांव में मेहंदी लगी है', 'आजकल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे', 'पांव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी', जैसे कितने ही मधुर और सदाबहार गीत नायिका के पैर को ध्यान में रखकर रचे गए।

**पैरों से उभारी गई संवेदनाः** कई फिल्मों में नायक के पैरों को कुछ इस तरह प्रस्तुत किया गया, जिससे रोमांच के साथ-साथ संवेदना भी जगती है। मिसाल के तौर पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' को देखा जा सकता है। एक पैर से दिव्यांग और आंख की रोशनी खो चुके व्यक्ति की दोस्ती पर आधारित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी दौड़ लगाते हुए उस समय की कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया था। फिल्मों में गरीबी और मजबूरी दिखाने के लिए भी निर्माताओं ने कभी नायक को, कभी नायिका को तो कभी सहनायिका या सहनायक को पैरों से दिव्यांग बनाने का फार्मूला आजमाया। 'उपकार' का मलंग, 'हीर रांझा' का एक पैर से अशक्त मामा, 'सच्चा झूठा' और 'मजबूर' की पैरों से दिव्यांग बहन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसी तरह फिल्म 'शान' में चलने में अक्षम अब्दुल (मजहर खान) का मुखबिर का किरदार भी काफी लोकप्रिय हुआ था। *

'शोले' में अमजद खान के साथ संजीव कुमार

'उपकार' में मलंग के किरदार में प्राण

## राजकुमार के पैर और सफेद जूते

**याद कीजिए** फिल्मों के वे सीन, जिनमें पर्दे पर हीरो से पहले उसके सफेद जूते दिखाए जाते थे और दर्शक जान जाते थे कि अब सीन में किसकी एंट्री होने वाली है। 'हमराज' और 'वक्त' में राजकुमार की जानदार एंट्री तो आपको याद ही होगी। इन फिल्मों में जैसे ही परदे पर राजकुमार के सफेद जूते दिखाई देते, दर्शक तालियों से उनका स्वागत करते। राजकुमार खुद इस तथ्य से वाकिफ थे, वे अकसर बी.आर. चोपड़ा से मजाक में कहा करते थे, 'जानी, सुना है आजकल आप हमारे जूतों की कमाई खा रहे हैं।'